इंडियन बॉयसन (गौर) का पुनर्विस्थापन

चर्चा में क्यों?

वन विभाग एवं [भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून](#) द्वारा 50 [बॉयसन (गौर)](#) का पुनर्विस्थापन किया जाएगा।

//

मुख्य बिंदु

- **पुनर्विस्थापन के बारे में:**
  - पुनर्विस्थापन का कार्य दो चरणों में किया जाएगा। यह पुनर्विस्थापन **सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व से बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में** 20 से 24 फरवरी तक किया जाएगा।
  - पुनर्विस्थापन (Reintroduction) का अर्थ है किसी प्रजाति को उसके प्राकृतिक आवास में फिर से बसाना, जहाँ वह पहले मौजूद थी।
- **पुनर्विस्थापन का उद्देश्य:**
  - बॉयसन (गौर) की संख्या में वृद्धि और अनुवांशिक सुधार करना।
  - जैवविविधता और पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखना।
  - बॉयसन की संख्या बढ़ाकर उनका प्राकृतिक आवास सुधारना।
- **पुनर्विस्थापन का महत्त्व:**
  - 2011-12 में पहले भी 50 बॉयसन का पुनर्वास किया गया था, जिससे उनकी संख्या 170 से अधिक हो गई है।
  - यह कदम बॉयसन के संरक्षण की दिशा महत्त्वपूर्ण है, ताकि भविष्य में इनकी स्थिर और स्वस्थ जनसंख्या बनी रहे।
  - उनका पुनर्वास वन्यजीवों के लिये एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा और अन्य प्रजातियों के लिये भी लाभदायक साबित होगा।

इंडियन बॉयसन (गौर) के बारे में:

- यह भारत में पाए जाने वाले जंगली **मवेशियों की सबसे बड़ी प्रजाति है** और यह सबसे बड़ा मौजूदा बोवाइन (गोजातीय) जीव है।
- बॉयसन घासों और पौधों की वृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र स्वस्थ रहता है।
- दुनिया में गौर की संख्या लगभग 13,000 से 30,000 है, जिनमें से लगभग 85% भारत में मौजूद हैं।
- **अवस्थिति:**
  - यह मूलतः दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है।
  - भारत में ये पश्चिमी घाट में बहुत अधिक पाए जाते हैं। मुख्य रूप से **नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान**, **बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान**, मासीनागुड़ी राष्ट्रीय उद्यान और बिलिगिरिरंगना हिल्स (बीआर हिल्स) में पाए जाते हैं।
  - ये **बर्मा और थाईलैंड में भी पाए** जाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/reintroduction-of-indian-boysen-gaur